प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

बच्चों में मानसिक कठिनाईयों पर पांच दिवसीय कार्यशाला प्रारम्भ

पंतनगर। 26 फरवरी, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्यन्न विभाग द्वारा 'मानसिक कठिनाइयां एवं स्वलीनता: शीघ्र पहचान एवं हस्तछेप' विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष सहायक प्राध्यापिका, डा. ऋतू सिंह, कार्यक्रम का प्रारम्भ करते हुए सभी सदस्यों को विशेष बालकों से संबधित शपथ ग्रहण करायी गयी। सचिव, सृजन स्पास्टिक सेण्टर, डा. एन के कांडपाल, ने छात्रों के साथ बाल दृविकास के महत्वपूर्ण सोपानों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को विशेष बालकों को समझने में मदद की। विभागध्यक्ष, मानव बिकास एवं पारिवारिक अध्ययन डा. आभा आहूजा, ने बताया कि विगत 20 वर्षों में विभाग द्वारा पंतनगर के सामुदायिक स्थलों पर विशेष बालकों के आर्थिक, शैक्षिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए किये जा रहे कार्यो पर प्रकाश डाला। कार्यवाहक अधिष्ठात्री, डा. कल्पना कुलश्रेष्ठ ने अपने उद्बोधन में 'मानसिक बाधता' से बचाव हेतु' अनुवांशिक परामर्श' लेने की सलाह दी। कार्यक्रम को सामुदायिक विकास के लिए बहुत उपयोगी बताते हुए मुख्य अतिथि कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उन्होंने हर बालक को विशेष बालक समझने और उन्हें उनकी विभिन्न्ता के साथ अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन (आज) प्रतिभागियों ने 'मानसिक बाधता' वाले विशेष बालकों का बुद्धिलब्धि परीक्षण करने व पहचान करने के गुण सीखें। इस कार्यशाला को अधिक प्रयोगात्मक एवं व्यावहारिक बनाने के लिए सचिव, सृजन स्पास्टिक सेण्टर, डा. एन के कांडपाल, ने अपनी संस्था के, विशेष बालकों को भी कार्यशाला में प्रतिभाग कराया। सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए सृजन स्पास्टिक संस्था के विशेष बालक प्रशिक्षक, शरद्धा कांडपाल, राहुल दुमका, गीता बिष्ट एवं हेमंत सक्सेना जी उपस्थित रहे जिससे प्रतिभागियो को विभिन्न तरह की विशेष बालकों के विशेषताओं एवं विभिन्नताओ को समझने एवं सिखाने का अवसर मिला। इस पांच दिवसीय कार्यशाला में कुल 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति डा. तेज प्रताप।